कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन । मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि ।।

व्यापार दर्शन

Bi-Monthly in-House Magazine

वर्ष १३ अंक ४

वि. सं. २०६९ अगस्त २०१२

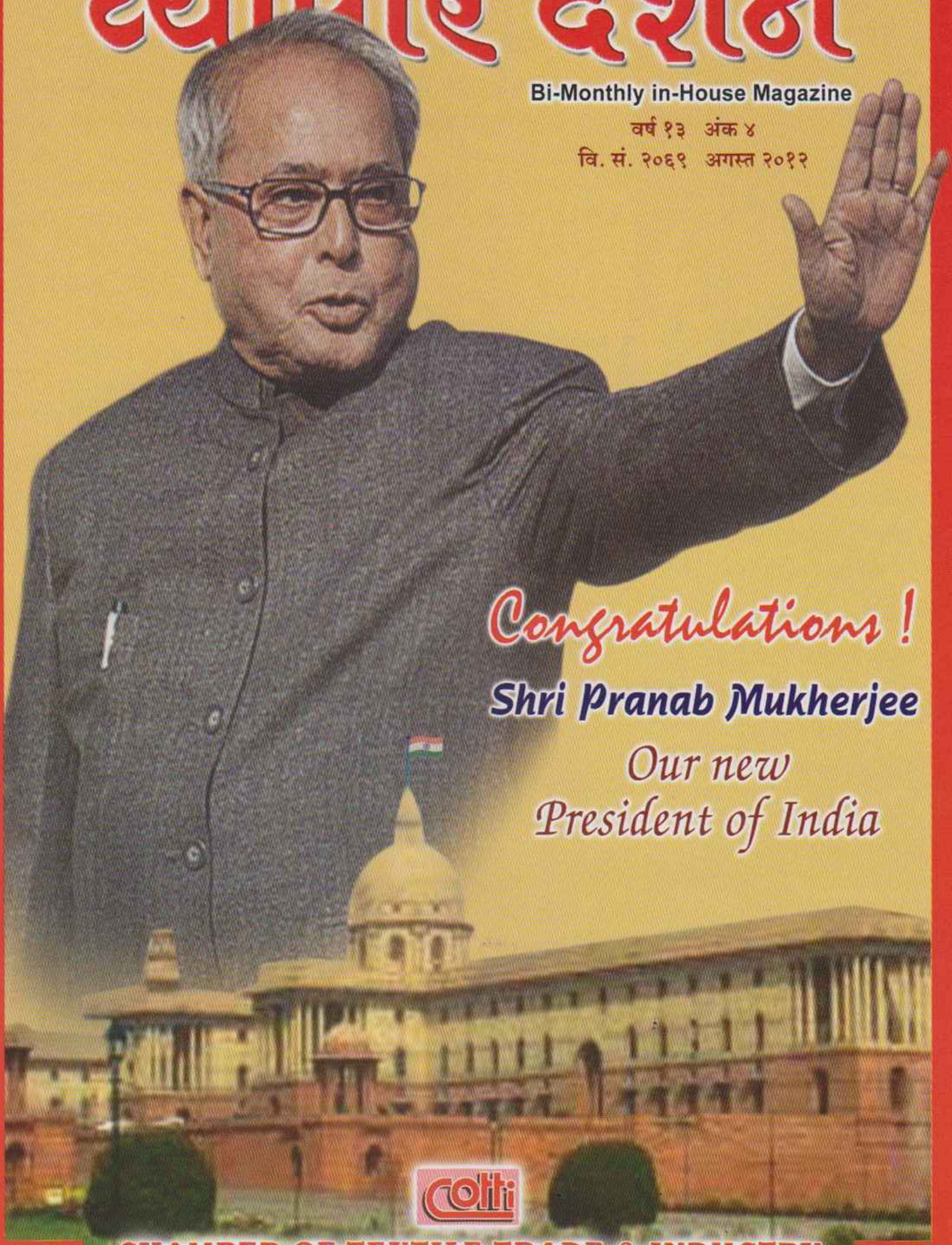

Congratulations !

Shri Pranab Mukherjee

Our new President of India

CHAMBER OF TEXTILE TRADE & INDUSTRY

cotti

News Bulletin Committee

Editor :
Sri Ashok Kumar Shah

Editorial Board :
(Committee Member)
Sri Shyam Sunder Rathi
Sri Madan Mohan Tekriwal
Sri Bajrang Kheria
Sri Rajesh Goyal
Sri Vinay Parasrampuria
Sri Dilip Arora

Ex-Officio :
Sri Vijay Kumar Binaykia
President

Sri Mahendra Jain
Hony. Secretary

CHAMBER OF TEXTILE TRADE & INDUSTRY

160, Jamunalal Bajaj Street
1st Floor, Kolkata-700 007
Phone : 2268-2686, 2269-9811
Fax : 033 2273-4034
E-mail : cottiindia@gmail.com
Website : www.cotti.in

अपनी बात .....

पिछले दिनों हमारे देश में काफी राजनीतिक सरगर्मी के बीच राष्ट्रपति का चुनाव सम्पन्न हुआ। बड़े ही हर्ष की बात है कि हमारे पश्चिम बंगाल के सपूत, अर्थशास्त्री, माने हुए राजनीतिक नेता 'श्री प्रणव मुखर्जी' महामहिम राष्ट्रपति के पद पर आसीन हुए। इसके अलावा एक और उपलब्धि पश्चिम बंगाल को हुई जब इसी प्रदेश से जुड़े 'मोहम्मद हामिद अंसारी' उपराष्ट्रपति पद के लिये दुबारा चुनाव जीत कर पदासीन हुए। महामहिम श्री प्रणव मुखर्जी तथा जनाब मोहम्मद हामिद अंसारी, दोनों को चेम्बर परिवार की ओर से ढेर सारी बधाईयाँ।

दोस्तों, आप सभी वस्त्र व्यवसाइयों से निवेदन है कि चेम्बर के कार्यकलापों में आप हर संभव योगदान दें तथा व्यापारिक किसी भी कठिनाई को दुर करने के लिये चेम्बर का आपके, अपने हथियार के रूप में इस्तेमाल करें। चेम्बर के सभी ऑफिस स्टाफ तथा माननीय Executives आपकी हर मुश्किल घड़ी में आपका साथ देने को सदैव तत्पर है।

12 वर्षों के अन्तराल के बाद वर्त्तमान परिपेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए चेम्बर की सदस्यता शुल्क एवं प्रवेश शुल्क में समुचित वृद्धि की गई। इसके लिये पहले कार्यकारिणी में विस्तृत चर्चा हुई, तत्पश्चात् संवैधानिक प्रक्रिया के तहत Extraordinary General Meeting के द्वारा इसकी निर्विरोध पुष्टि होने के बाद इस वृद्धि को लागू किया गया।

दुःख का विषय है कि निहित स्वार्थ के लिये चन्द सदस्यों ने इस वृद्धि के विरोध में भ्रामक प्रचार किया। कुछ माननीय सदस्यों ने इस भ्रामक प्रचार में शुरु में उनका साथ दिया पर तथ्य सामने आने पर अपने इस कदम पर स्वयं ही अफसोस भी जाहिर किया। चेम्बर के विरुद्ध इस प्रकार का दुष्प्रचार अवश्य ही निन्दनीय है।

दोस्तों, चेम्बर आपलोगों के द्वारा बनाया गया तथा आप ही के लिये बनाया गया Organisation है तथा समय के साथ सरकारी-गैरसरकारी महकमें तथा अन्यत्र में आज इतना वृहद् आकार ले चुका है कि कुछ ताकतें इसकी ख्याति में कोई नुकसान नहीं पहुँचा सकती।

आइये अपनी अलग-अलग आवाजों को उठाकर शोरगुल का रूप न दें बल्कि अपनी आवाजों को मिलाकर वह एक आवाज बनायें जिसकी प्रतिध्वनि पर हम सभी को गर्व महसूस हो तथा अपने व्यापारिक हक की हर लड़ाई में हम सिर्फ और सिर्फ विजयी बनें।

– अशोक शाह

सभी Members एवं Affiliated Associations से निवेदन है कि 'व्यापार-दर्शन' में प्रकाशन योग्य सामग्री Chamber of Textile, Trade & Industry कार्यालय में अवश्य भेजें।

दिनांक ११ अगस्त २०१२ को कोट्टी सभागार में आयोजित वार्षिक साधारण सभा में अध्यक्ष श्री विजय कुमार बिनायकिया ने उपस्थित सदस्यों को संबोधित किया एवं चेम्बर के गत वर्ष की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। प्रस्तुत है उनका सम्भाषण उनके ही शब्दों में :

आदरणीय श्री छत्तर सिंह जी वैद, श्री रिखब दास जी भंसाली, श्रीदुलीचन्द जी चौपड़ा, श्री बालकृष्ण जी खण्डेलवाल, श्री मुरारी लाल जी खेतान, कोट्टी के पदाधिकारीगण, संलग्न संस्थाओं के पदाधिकारी एवं माननीय सदस्यवृंद !

मैं आप सबका चेम्बर सभागार में ४९वीं वार्षिक साधारण सभा में हार्दिक स्वगत करता हूँ। मैं आप और आपके परिवार के अच्छे स्वास्थ्य, सुख-शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ।

बन्धुओं, दिनांक १७.०३.२०१२ को कोट्टी सभागार में Extra Ordinary General Meeting आयोजित की गई थी, जिसका एक मात्र एजेण्डा वार्षिक सदस्यता शुल्क एवं प्रवेश शुल्क में वृद्धि करना था। इस मीटिंग के २१ दिन पहले सभी साधारण सदस्यों को नोटिस भेज दिया गया, जिसमें कार्यकारिणी द्वारा पारित प्रस्ताव का पूर्ण विवरण था। शुल्क में यह बढ़ोतरी १२ साल बाद की गई। EGM में सर्वसम्मति से बढ़ोतरी का प्रस्ताव पास किया गया। इस प्रस्ताव का कुछ सदस्यों ने बाद में विरोध शुरू किया। कुछ स्थानीय समाचार पत्रों में सदस्यों को गुमराह करने के लिए गलत समाचार छपवाये गये। सदस्यता बिल नहीं छोड़ने के लिए पत्र में संयुक्त हस्ताक्षर करवाये गये। Pamplets का वितरण किया गया। नैतिकता की दुहाई देनेवाले इन सदस्यों ने Pamplets में अपना नाम भी नहीं दिया। व्यापारी सद्भाव को आघात पहुंचाने का प्रयास किया गया। चेम्बर की छवि को धूमिल करनेवाले लोगों की मैं तीव्र निन्दा करता हूँ।

बन्धुओं, कोट्टी (चेम्बर) की विशिष्ट पहचान पूरे पूर्वोत्तर भारत में हो गई है। पहले इस संस्था का दायरा सीमित था। दिनांक २४.०९.१९९६ को तात्कालिक कार्यकारिणी ने TMA को एक नया आयाम दिया। TMA कोट्टी बन गई, इसके बाद यह संस्था चेम्बर ऑफ टेक्सटाइल ट्रेड एण्ड इन्डस्ट्री की नाम से विख्यात हो गई। चेम्बर अपने वर्तमान स्वरूप के कारण ही आज स्थानीय राज्य स्तर एवं केन्द्रीय स्तर पर व्यापारिक हितों के लिए लगातार सशक्त आवाज बुलंद कर रहा है। इसका ज्वलन्त उदाहरण है वैट आन्दोलन। इस आन्दोलन के फलस्वरूप आज तक वस्त्र व्यवसाय पर वैट नहीं लगाया जा सका। दिनांक २८ फरवरी, २००३ को केन्द्रीय बजट पेश करते हुए माननीय वित्त मंत्री श्री जसवंत सिंह ने टेक्सटाइल उद्योग एवं व्यापार पर वैट लगाने की घोषणा की। इसके विरोध में दिनांक ३१ मार्च एवं ०१ अप्रैल, २००३ को समस्त भारतवर्ष में टेक्सटाइल व्यवसाय बन्द रहा। बंगाल में भी कोट्टी के प्रयास से बन्द पूर्णत: सफल रहा। ज्वाइंट कमिटी ऑफ ट्रेड बोडीज के साथ कोट्टी द्वारा श्याम बाजार से राजभवन तक मानव श्रृंखला (Human Chain) का सफल आयोजन किया गया। इसमें लगभग ५० हजार व्यवसायी बन्धु शामिल हुए। अप्रैल, २००३ को कोट्टी अध्यक्ष श्री मुरारी बाबू कोट्टी प्रतिनिधि दल के साथ तत्कालीन प्रधान मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी से मिले। कोट्टी प्रतिनिधि दल

Amar Kirti®
100% Cotton Printed Saree
Agent : KAMAL CHOUDHARY Mobile : 93390 99280
~: Manufactured by :~
Shri Bilasrai Puranmal, 614, Kakad Market
306, Kalbadevi Road, Mumbai-400 002
Phone : 2201-8357, 3243-8276
Fax : 2209 6282

विपक्ष की नेत्री श्रीमती सोनिया गाँधी से भी मिला एवं वैट के काले कानून को कपड़े पर न लगाने के लिए पहल करने के लिए अनुरोध किया। कोट्टी का प्रतिनिधिदल, मंत्रीगण एवं सांसदों से भी मिला, उन्हें वैट लगाने के दुष्परिणामों से अवगत कराया। ३०, ३१ मार्च एवं ०१ अप्रैल को पूरे भारत में वस्त्र व्यवसाय बन्द रहा। दिनांक २०.०४.२००५ से दिनांक २८.०४.२००५ तक भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल के आह्वान पर भारत व्यवसाय बन्द का सफल आयोजन किया गया। कोट्टी के आह्वान पर बड़ाबाजार में व्यवसाय १० दिनों तक पूर्ण रूप से बन्द रहा। इन सब प्रयासों के फलस्वरूप आज तक वस्त्र व्यवसाय में वैट नहीं लग पाया। इसका श्रेय प्रमुख रूप से चेम्बर यानि कोट्टी को ही जाता है।

चेम्बर की कुछ विशिष्ट उपलाब्धियों के बारे में मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। पश्चिम बंगाल के माननीय मुख्य मंत्री श्री बुद्धदेव भट्टाचार्य कोट्टी ऑफिस में पधारे। उनका कोट्टी सभागार में एक भव्य आयोजन कर स्वागत किया गया एवं गुजरात के भूकम्प पीड़ितों के सहायतार्थ कोट्टी द्वारा मुख्यमंत्री जी को एक चेक भेंट किया गया।

राज्य एवं केन्द्र सरकार के प्रतिवेदन में ०१ जनवरी, २००१ से एक नोटिफिकेशन के जरिये कॉटन होजियारी यार्न, Cotton Hanks Yarn एवं Cotton Hosiery Goods पर ४% बिक्री कर लगाया गया, जिसका कोट्टी एवं अन्य प्रमुख संगठनों ने पुरजोर विरोध किया, जिसके फलस्वरूप यह कर इन तीनों Category से वापस ले लिया गया।

फरवरी, २००६ में Bed sheets, Towels, Blankets and Made-ups इत्यादि पर सरकार द्वारा वैट लगाने का चेम्बर ने पुन: जोरदार विरोध किया। कोट्टी का प्रतिनिधि मण्डल मुख्यमंत्री श्री बुद्धदेव बाबू एवं वित्त मंत्री श्री असीम दास गुप्ता से मिला और यह लगाया हुआ वैट पुन: वापस ले लिया गया। कोट्टी का यह प्रयास पूर्णत: सफल रहा।

K.M.C ने २००४-०५ में Area wise Trade Licence Fee वसूलने का निर्णय किया। कोट्टी का प्रतिनिधि दल K.M.C Office में गया, इस प्रस्ताव का विरोध दर्ज किया, आखिरकार कोट्टी का 'एक मुश्त नवीनीकरण' का प्रस्ताव मान लिया गया।

पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा सूती यार्न, होजियारी यार्न, सिलाई धागा एवं कच्चे सिल्क आदि पर बिक्री कर में भारी वृद्धि कर दी गई। कोट्टी के प्रयासों से सरकार ने पुन: नया नोटिफिकेशन जारी किया।

दिनांक २५.०४.२००९ को पारित केन्द्रीय बजट के संशोधनों में Clothing Accessories, Rain Coats एवं Undergarments पर Excise duty कोट्टी के प्रयास के कारण बिल्कुल हटा ली गई।

कोट्टी के निरन्तर प्रयासों के फलस्वरूप सूती वस्त्र और यार्न पर से टेक्सटाइल लाइसेंस को हटा लिया गया। तिरपाल पर वैट १२% से ४% कर दिया गया।

K.M.C ने दिनांक २३.०५.२००८ को एक परिपत्र द्वारा नये Certificate of Enlistment अथवा नवीनीकरण कराने में Fire Department के Fire Licence/NOC से जोड़कर व्यवसाइयों के मूलभूत अधिकारों पर कुठाराघात किया। कोट्टी ने इस Linking प्रणाली का F.T.O. के साथ मिलकर जोरदार विरोध किया। F.T.O. के संयुक्त तत्वाधान में २३ जुलाई, २००८ को एक विशाल रैली का आयोजन किया गया। सरकार के रुख में परिवर्तन हुआ, व्यवसाइयों को अपेक्षित राहत मिली।

होजियारी यार्न को कोट्टी द्वारा किये गये प्रयासों के फलस्वरूप करमुक्त कर दिया गया, Sewing Thread पर वैट की दरों में बढ़ोत्तरी की गई थी। कोट्टी का प्रतिनिधि मंडल Chief Commissioner से मिला, प्रयास स्वरूप बढ़ी हुई दर पूर्ववत ४% कर दी गई।

क्रमश :

ANANTA TEXTILES
38, ARMENIAN STREET, 1ST FLOOR, KOLKATA-700 001
PHONE : 033-2273-7387, FAX : 033-2271-0633
HOUSE OF FANCY DRESS MATERIALS
AND HANDLOOM FABRICS

कोट्टी की ख्याति बढ़ने के फलस्वरूप West Bengal Government की तरफ से West Bengal Textiles Policy को बनाने के लिए कोट्टी से सुझाव मांगे गये। विभिन्न सरकारी समितियों में कोट्टी प्रतिनिधि को शामिल किया गया।

कई कटरों के लाइसेंसो का नवीनीकरण नहीं किया जा रहा था। हमारी संस्था के अथक प्रयास के फलस्वरूप इनका नवीनीकरण किया जाने लगा। अभी भी कुछ कटरों में यह समस्या बनी हुई है।

चेम्बर बनने के बाद इसकी सदस्य संख्या ८०० से बढ़कर १५७० हो गई। Affiliated Association की संख्या ३५ से बढ़कर ५० हो गई है। यह अपने आप में चेम्बर के प्रति व्यापारियों के बढ़ते हुए रूझान का प्रतीक है। कोट्टी ने अपने सदस्यों के प्रति अपने सामाजिक एवं राष्ट्रीय उत्तरदायित्वों का भी निष्ठापूर्वक पालन किया है। पाकिस्तान के साथ कारगिल युद्ध में शहीद हुए परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए कोट्टी द्वारा २१ लाख की धनराशि प्रदान की गई। सुनामी लहरों के प्रकोप से पीड़ित व्यक्तियों के लिए भी कोट्टी ने अपना अनुदान प्रदान किया। बिहार में भीषण बाढ़ आई, हजारों व्यक्ति काल क्वलित हो गये। कोट्टी का प्रतिनिधि मण्डल पटना गया एवं १०,०१,१११/- रुपये का चेक कोट्टी द्वारा दिया गया था।

कोट्टी ट्रस्ट द्वारा श्री विशुद्धानन्द हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च इन्स्टीट्यूट को एक A.C. केबिन निर्माण हेतु २,५०,०००/- रुपये की राशि भेंट की गई।

कोट्टी ने अपने सदस्यों के नैतिक, बौद्धिक विकास हेतु समय-समय पर सेमिनार का आयोजन किया। उसमें प्रमुख ''साधारण से असाधारण व्यक्तित्व की ओर'' कार्यशाला दिनांक १८ दिसम्बर, २०१० को नेताजी इण्डोर स्टेडियम में सुबह १०.०० बजे से रात ८.०० बजे तक चली, डॉ. स्नेह देसाई ने तकरीबन १० हजार व्यापारी भाइयों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सभी व्यापारी भाइयों ने इससे अभूतपूर्व लाभ एवं उर्जा प्राप्त की। यह सेमिनार अनूठा एवं अभूतपूर्व था। कोट्टी द्वारा आयोजित सेमिनारों में यह सबसे बड़ा एतिहासिक सेमिनार था।

सदस्यों के बौद्धिक एवं आर्थिक विकास हेतु दिनांक १३ अप्रैल, २००५ को ६० सदस्यों का दल **Canton Trade Fair** में भाग लेने China गया। इसके बाद २२ सदस्यों का दल Textile के सबसे बड़े Fair **Tex World & Premier Vision** में भाग लेने के लिए पेरिस गया। फिर ३५ सदस्यों का डेलीगेशन दिनांक ३०.१०.२००९ को China Textile Fair attend करने गया। South Gujarat Chamber of Commerce & Industry सूरत के Invitation पर दिनांक २५ सितम्बर, २०१० को एक ३३ सदस्यों का दल सूरत Textile Fair attend करने गया।

TEXVISION का आयोजन : बदलते व्यापारिक परिवेश को ध्यान में रखते हुए आवश्यकता महसूस की गई कि एक ऐसे व्यापारिक मेले का आयोजन किया जाये, जिसमें प्रमुख वस्त्र उत्पादक, क्रेता एवं विक्रेता लाभान्वित हो। इस परिकल्पना को साकार करने के लिए कोलकाता के सबसे बड़े नेताजी इण्डोर स्टेडियम में दिनांक २४.०४.२००७ से २६.०४.२००७ तक Texvision का आयोजन किया गया। इस मेले की सफलता से उत्साहित होकर सन् २००८, २०१० एवं २०१२ में भी Texvision का पुन: सफल आयोजन किया गया। सभी Texvision के उद्घाटन में राज्य सरकार के दो से तीन मंत्री उपस्थित थे। Government Circle में इससे कोट्टी की Image में काफी बढ़ोत्तरी हुई।

किसी भी संस्था के जीवन में स्वर्ण जयन्ती तक पहुंच पाने का विशेष महत्व है। २५ अप्रैल, २०१० को नेताजी

क्रमश :

B.P. TRADING PVT. LTD.
KHERIA TRADERS PVT. LTD.
Mobile : 09339555501
09339885501
5, Chaitan Seth Street, Kolkata-700 007 (Opp. Kalakar Street Power House)
Phone : 33-2268-9822 / 5501, 3297-5775
Wholesale Dealer in : All Type of Dress Materials & Nighty Cloths

इण्डोर स्टेडियम में स्वर्ण जयन्ती उद्घाटन समारोह एवं Texvision-2010 का उद्घाटन गरिमामय उपस्थिति के साथ सम्पन्न हुआ एवं स्वर्ण जयन्ती समारोह का समापन २६ जून, २०११ को सांइस सिटी के मुख्य सभागार में सम्पन्न हुआ। इस समारोह में मुख्य अतिथि माननीय सांसद सुदीप बन्द्योपाध्याय मंच को सुशोभित कर रहे थे। स्वर्ण जयन्ती समारोह पर प्रकाशित स्मारिका का लोकार्पण माननीय सांसद श्री सुदीप बन्द्योपाध्याय के कर कमलों से हुआ। यह अंक यादगार ग्रन्थ बना है एवं कोट्टी के प्रत्येक सदस्य को एवं टेक्सटाइल संगठनों तथा सरकारी महकमों में भी भेजा गया।

कार्यक्रम में कोट्टी के तकरीबन १५०० सदस्य उपस्थित थे। सभी ने आयोजन का खूब आनन्द लिया। अन्त में सदस्यों ने Ojas Banquet Hall में स्वरूचि भोज का लुत्फ उठाया।

स्वर्ण जयन्ती के १४ महीनों के सभी कार्यक्रमों में लगभग ३२ लाख रुपये खर्च किये गये, जिसमें २१ लाख रुपयों का योगदान कोट्टी के कार्यकारिणी सदस्यों ने दिया। लगभग ११ लाख रुपयों का योगदान सभी साधारण सदस्यों ने सहर्ष दिया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि COTTI Fund से कुछ भी खर्च नहीं किया गया। स्वर्ण जयन्ती के भव्य प्रोग्राम की वजह से सरकारी महकमें में कोट्टी की धाक और बढ़ी एवं सदस्यों का कोट्टी से लगाव बढ़ा।

टेक्सटाइल ट्रेड के विकास एवं उत्थान के लिए संस्था के पास भविष्य में अनेक योजनायें हैं। इन योजनाओं को मूर्त रूप देने के लिए धन की आवश्यकता होती है। मुझे खुशी है कि सदस्यों की सूझ-बूझ, आपसी सहयोग की भावना एवं Good Management के फलस्वरूप हमने थोड़ा Fund संग्रह किया। यह संग्रहित राशि सुरक्षित रहे, इसका दुरूपयोग न हो सके, इसके लिए कोट्टी ट्रस्ट का निर्माण किया गया, जिसके ट्रस्टी कोट्टी के सभी Past Presidents हैं।

हमनें कोट्टी ऑफिस, Board Room एवं कोट्टी सभागार के नवीनीकरण का कार्य पूरा कर लिया है। कोट्टी के इस अत्याधुनिक सभागार का कोट्टी सदस्य व्यापार बढ़ाने के लिए उपयोग कर सकते हैं। कोट्टी सभागार का आप पूजा बुकींग एवं अन्य व्यापारिक Dealings के लिए उपयोग कर सकते हैं। ३५-४० व्यापारियों को एक साथ Meet कर सकते हैं। इस वर्ष के दौरान चेम्बर के कार्य कलापों का पूरा विवरण मंत्री जी के प्रतिवेदन में निहित है।

पूजा के बाद कोट्टी सभागार में कई लाभप्रद नि:शुल्क सेमिनार आयोजित किये जायेंगे। मेरा सभी सदस्यों से नम्र निवेदन है, आप अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इसका लाभ उठावें।

आप सभी जानते हैं, आनेवाला समय व्यापार के लिए अत्यन्त कठिन है। सरकार व्यापारियों पर समय-समय पर नये करों का बोझ लाद देना चाहती है। इसका जोरदार विरोध करने के लिए कोट्टी प्रतिबद्ध है। आन्दोलन करने के लिए धन की अति आवश्यकता होती है। मुझे गर्व है, हमारे कोई भी आन्दोलन में धन की कमी महसूस नहीं हुई। सच्चाई यह भी है कि सरकार कोई भी कर लगाने के पहले कोट्टी द्वारा किये गये विरोध को महसूस करती है।

बन्धुगण, यह वर्ष हमलोगों के लिए बहुत सी खुशियां लेकर आया था, लेकिन कुछ ऐसे घाव देकर चला गया, जो कभी ठीक नहीं हो सकते। हमारे बीच से हमारे कोषाध्यक्ष अनूप कुमार जी मोहता एवं हमारी कार्यकारिणी के वरिष्ठ सदस्य महावीर प्रसाद जी सराफ चले गये, उनकी कमी चेम्बर परिवार को सदैव खलती रहेगी। आप दोनों का चेम्बर के विकास में अभूतपूर्व योगदान था। चेम्बर परिवार आपके प्रति अपनी कृतज्ञता एवं श्रद्धांजलि व्यक्त करता है।

क्रमश :

Specialist in Kurta & Sherwani Fabrics
DILIP : +91 98300 82225
MURARI : +91 98300 86880
BHARTIYA TRADING COMPANY
158, JAMUNALAL BAJAJ STREET, KOLKATA-700 007
OFFICE : +91-33-2268 8111, 2272 1647
Brand : CARRION

बन्धुओं, आप सबको मालूम है, कोषाध्यक्ष के लिए श्री अनिल कुमार जी मिहारिया को नियुक्त किया गया है। आप बहुत ही उर्जावान युवा कार्यकर्ता है, आप की अभूतपूर्व उर्जा एवं क्षमता का चेम्बर को लाभ मिले, ऐसी हमारी अपेक्षा है।

बन्धुओं, यह हम सब बंग प्रदेश के लोगों के लिए अत्यन्त खुशी की बात है कि हमारे ही प्रदेश के श्री प्रणव बाबू देश के तेरहवें राष्ट्रपति बने। प्रणव बाबू को चेम्बर परिवार एवं मेरी ओर से हार्दिक शुभकामना। श्री प्रणव बाबू का देश के राजनीतिक जीवन में ५० साल का अनुभव एवं योगदान है। आपने इसके पहले सभी महत्वपूर्ण मंत्रालयों का कार्यभार बहुत ही निष्ठा एवं निपुणता के साथ निभाया है।

सन् २०११ में जुझारू नेत्री माननीया ममता बनर्जी के नेतृत्व में नयी राज्य सरकार ने कार्यभार संभाल लिया। सरकार से हम कोट्टी की तरफ से अनुरोध करते हैं कि वह प्रदेश का समग्र विकास करने की योजनाओं का शुभारम्भ करें। सिल्क, होजियारी, तांत, रेडीमेड गार्मेन्ट्स इन सभी क्षेत्रों के विकास के लिए सरकार को नये-नये उन्नत मॉडल बनाना चाहिये, जिससे राज्य में उत्पादन बढ़े, रोजगार के नये अवसर सृजन हो Per Capita Income में बढ़ोत्तरी हो, बंगाल भारत का सबसे विकसित अग्रणी राज्य बनेगा। कोट्टी राज्य सरकार को सहयोग देने के लिए सदैव तत्पर है। आशा है, आनेवाले समय में पश्चिम बंगाल के औद्योगिक वातावरण में बहुत बदलाव आयेगा। Big Investors राज्य में निवेश करेंगे एवं अपने आप को सुरक्षित महसूस करेंगे।

मुझे मेरे कार्यों को सम्पादित करने में कोट्टी के मंत्री श्री महेन्द्र कुमार जैन का पूर्ण सहयोग मिला, कोट्टी के सभी Past Presidents का सदैव मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कोट्टी के सभी पदाधिकारीगण, स्टैण्डिग कमिटी के चेयरमैन, को-चेयरमैन, कार्यकारिणी सदस्य, कोट्टी के ऑफिस स्टाफ का सहयोग मिलता रहा। इसके लिए मैं सबके प्रति आभार प्रकट करता हूँ। उपस्थित सभी भूतपूर्व सभापतिगणों को पुन: नमन करता हूँ, आपके आर्शीवाद एवं मार्गदर्शन की आकांक्षा रखता हूँ।

आप सभी माननीय सदस्यों से मेरा अनुरोध है कि जिन सदस्य भाइयों को चेम्बर गतिविधियों में सहयोग करने की इच्छा हो वह मुझसे सम्पर्क करे। मैं सभी सदस्यों से नम्र निवेदन करता हूँ, आप सभी चेम्बर के कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में पधारें। व्यवसायिक जगत को लाभान्वित करें, भारत के आर्थिक विकास में अपना योगदान करें, समृद्ध और सशक्त भारत के विकास में सहभागी बनें। कोट्टी की ओर से आप सबको कोटि-कोटि धन्यवाद। ❑❑

प्रजातंत्र वह होता है जहां जाति मजहब रंग आदी व्यक्ति के विकास में बाधक नहीं बनते।

***

विरासत का अर्थ यही है कि अतीत से लो और भविष्य को दो।

***

समस्याओं से घबराओ मत, सामना करो, समस्याएँ स्वत: समाप्त हो जायेगी।

JORA HATHI®
BEST QUALITY
EMBROIDERY YARN
Manufactured By :
CHIRANJILAL RAYONS PVT. LTD.
178, Mahatma Gandhi Road, Kolkata-700 007 (W.B.)
Phone : 033-32936054, 9830232286, 9330926295

वार्षिक साधारण अधिवेशन सम्पन्न

❖ दिनांक **11 अगस्त 2012** को चेम्बर ऑफ टेक्सटाइल ट्रेड एण्ड इन्डस्ट्री (कोट्टी) का 49वाँ वार्षिक साधारण अधिवेशन सभापति श्री विजय कुमार बिनायकिया की अध्यक्षता में चेम्बर सभागार में सम्पन्न हुआ। सभापति ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाऐं दी। मंत्री श्री महेन्द्र जैन ने वर्ष 2011-12 का चेम्बर का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कोषाध्यक्ष श्री अनिल मिहारिया ने सन् 2001-12 के चेम्बर एवं कोट्टी ट्रस्ट की Audited Balance Sheet, Income and Expenditure Account एवं Auditor's Report सदन में प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया। तत्पश्चात् भूतपूर्व सभापति श्री रिखब दासजी भंसाली, श्री बालकृष्ण जी खण्डेलवाल एवं श्री मुरारी लालजी खेतान तथा अन्य सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किये। अन्त में उप-सभापति श्री गणपत लाल अग्रवाल ने सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापन किया एवं सभापति को धन्यवाद देकर सभा की कार्यवाही समाप्त की गई।

❑❑❑

स्टैण्डिंग कमिटी की बैठकें

❖ **News Bulletin Commitee :**

दिनांक **29 जून 2012** को News Bulletin Committee की मीटिंग आयोजित की गई थी। इस मीटिंग में वर्ष 2012 के प्रकाशित तृतीय अंक पर समीक्षा हुई एवं चतुर्थ अंक में प्रकाशित होने वाले विषयों पर विचार किया गया।

❖ **International Trade Commitee :**

दिनांक **16 जुलाई 2012** को International Trade Committee की मीटिंग आयोजित की गई थी। Govt. of West Bengal एवं Apparel Export Promotion Council दोनों ने मिलकर JVC - West Bengal State Export Promotion Society का गठन किया है। इसके लिए सरकार ने राजरहाट, कोलकाता में जमीन Allot की है। इसके तहत Institute of Apparel Management के अतिरिक्त Apparel Trading & Design Centre, Apparel Mart, Show (s) & Carrying of various Export Promotion Activites, AEPC Rural Development & Labour Welfare Foundation Office आदि इकाइयां लगाई जायेगी। चेम्बर इस Project में कैसे जुड़ सके, इस विषय पर चर्चा हुई थी।

❖ **Trade Co-ordination Commitee :**

दिनांक **18 जुलाई 2012** को Trade Co-ordination Committee की मीटिंग आयोजित की गई थी। इस मीटिंग सदस्य M/s. Kashmir Shawl Bhandar के कर्मचारी के Charter of Demand को लेकर उसके यूनियन के साथ बैठक हुई थी। चर्चा उपरान्त शीघ्र ही अगली मीटिंग बुलाकर विवाद सुलझाने का निर्णय लिया गया।

❑❑❑

Garima Boutique Pvt. Ltd.
113, Park Street, Poddar Point, 2nd Block, 3rd Floor, Kolkata-700016
Phone : 91-33-3291 5834, 98301 23102, 91633 22942
E-mail : garimaboutique@gmail.com
Grace Glamour Unlimited
Designer of Salwar Suit, Kurti & Embroidery Sarees and Ghagra Chunni

हमारे नये राष्ट्रपति महामहिम प्रणव मुखर्जी

बंगाल (भारत) में वीरभूम जिले के मिराती (किर्नाहार) गाँव में ११ दिसम्बर १९३५ को कामदा किंकर मुखर्जी और राजलक्ष्मी मुखर्जी के घर जन्में श्री प्रणव का विवाह बाइस वर्ष की आयु में १३ जुलाई १९५७ को शुभ्रा मुखर्जी के साथ हुआ था। उनके दो बेटे और एक बेटी– कुल तीन बच्चे हैं। पढ़ना, बागवानी करना और संगीत सुनना– तीन ही उनके व्यक्तिगत शौक भी हैं।

उनके पिता १९२० से कांग्रेस पार्टी में सक्रिय होने के साथ पश्चिम बंगाल विधान परिषद में १९५२ से ६४ तक सदस्य और वीरभूम (पश्चिम बंगाल) जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रह चुके थे। उनके पिता एक सम्मानित स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने ब्रिटिश शासन की खिलाफत के परिणाम स्वरूप १० वर्षों से अधिक जेल की सजा भी काटी थी।

प्रणव मुखर्जी ने सूरी (वीरभूम) के सूरी विद्यासागर कॉलेज में शिक्षा पाई, जो उस समय कलकत्ता विश्वविद्यालय से सम्बद्ध था।

कलकत्ता विश्वविद्यालय से उन्होंने इतिहास और राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर के साथ कानून की डिग्री हासिल की है। वे एक वकील और कॉलेज प्राध्यापक भी रह चुके हैं। उन्हें मानद डी. लिट उपाधि भी प्राप्त है। उन्होंने पहले एक कॉलेज प्राध्यापक के रूप में और बाद में एक पत्रकार के रूप में अपना कैरियर शुरू किया। वे बांगला प्रकाशन संस्थान देशेर डाक (मातृभूमि की पुकार) में भी काम कर चुके हैं। प्रणव मुखर्जी बंगीय साहित्य परिषद के ट्रस्टी एवं अखिल भारत बंग साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष भी रहे।

उनका संसदीय कैरियर करीब पाँच दशक पुराना है, जो १९६९ में कांग्रेस पार्टी के राज्यसभा सदस्य के रूप में (उच्च सदन से) शुरू हुआ था। वे १९७५, १९८१,१९९३ और १९९९ में फिर से चुने गए। १९७३ में वे औद्योगिक विकास विभाग के केन्द्रीय उप मंत्री के रूप में मन्त्रिमंण्डल में शामिल हुए।

वे सन् १९८२ से १९८४ तक कई कैबिनेट पदों के लिए चुने जाते रहे और सन् १९८४ में भारत के वित्त मंत्री बने। वित्त मंत्री के रूप में प्रणव के कार्यकाल के दौरान डॉ. मनमोहन सिंह भारतीय रिजर्व बैंक के गर्वनर थे। उन्होंने पी.वी. नरसिम्हा राव के मंत्रिमण्डल में १९९५ से १९९६ तक पहली बार विदेश मंत्री के रूप में कार्य किया। १९९७ में उन्हें उत्कृष्ट सांसद चुना गया।

सन् २००४ में जब कांग्रेस ने गठबन्धन सरकार के अगुआ में सरकार बनायी, तो कांग्रेस के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह सिर्फ एक राज्यसभा सांसद थे। इसलिए जंगीपुर (लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र) से पहली बार लोकसभा चुनाव जीतने वाले प्रणव मुखर्जी को लोकसभा में सदन का नेता बनाया गया। उन्हें रक्षा, वित्त, विदेश विषयक मन्त्रालय, राजस्व, नौवहन, परिवहन, संचार, आर्थिक मामले, वाणिज्य और उद्योग, समेत विभिन्न मन्त्रालयों के मंत्री होने का गौरव भी हासिल है। वह कांग्रेस संसदीय दल और कांग्रेस विधायक दल के नेता रह चुके हैं, जिसमें देश के सभी कांग्रेस सांसद और विधायक शामिल होते हैं। इसके अतिरिक्त वे लोकसभा में सदन के नेता, बंगला प्रदेश कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष, कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की मंत्रीपरिषद में केन्द्रीय मन्त्री भी रहे।

मुखर्जी को पार्टी के भीतर तो मिला ही, सामाजिक नीतियों के क्षेत्र में भी काफी सम्मान मिला है। अन्य प्रचार माध्यमों में उन्हें वेजोड़ स्मरणशक्ति वाला, आंकड़ाप्रेमी और अपना अस्तित्व बरकरार रखने की अचूक इच्छाशक्ति रखने वाले एक राजनेता के रूप में वर्णित किया जाता है।

उन्होंने मार्क्सवादी कम्युनिष्ट नेता ज्योति वसु सहित कई पुराने गठबन्धनों को मनाकर मध्यस्थता के कुछ नए विन्दु तय किए, जिसमें उत्पाद पेटेण्ट के अलावा और कुछ और बातें भी शामिल थी।

२४ अक्टूबर २००६ को जब उन्हें भारत का विदेश मन्त्री नियुक्त किया गया, रक्षा मंत्रालय में उनकी जगह ए.के. एंटनी ने ली।

प्रणव मुखर्जी की वर्तमान विरासत में अमेरिकी सरकार के साथ असैनिक परमाणु समझौते पर भारत-अमेरिका के सफलतापूर्वक हस्ताक्षर और परमाणु अप्रसार सन्धि पर दस्तखत नहीं होने के बावजूद हस्ताक्षर और परमाणु व्यापार में भाग लेने के लिए परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह के साथ हुए हस्ताक्षर भी शामिल हैं। सन् २००७ में उन्हें भारत के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म भूषण से नवाजा गया।

न्यूयार्क से प्रकाशित पत्रिका, यूरोमनी के एक सर्वेक्षण के अनुसार, वर्ष १९८४ में दुनिया के पाँच सर्वोत्तम वित्त मन्त्रियों में से एक प्रणव मुखर्जी भी थे।

उन्हें सन् १९९७ में सर्वश्रेष्ठ सांसद का अवार्ड मिला।

वित्त मंत्रालय और अन्य आर्थिक मन्त्रालयों में राष्ट्रीय और आन्तरिक रूप से उनके नेतृत्व का लोहा माना गया। वे लम्बे समय के लिए देश की आर्थिक नीतियों को बनाने में महत्वपूर्ण व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं। उनके नेतृत्व में ही भारत ने अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के ऋण की १.१ अरब डालर अमेरिकी डालर की अन्तिम किस्त नहीं लेने का गौरव अर्जित किया। उन्हें प्रथम दर्जे का मंत्री माना जाता है और सन् १९८०-१९८५ के दौरान प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति में उन्होंने केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की बैठकों की अध्यक्षता की।

उन्हें सन् २००८ के दौरान सार्वजनिक मामलों में योगदान के लिए भारत को दूसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म विभूषण से नवाजा गया। ❑

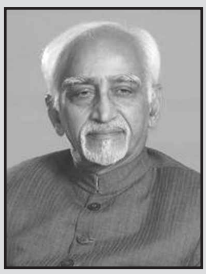

राष्ट्र के उपराष्ट्रपति पद पर पुन: निर्वाचित होने पर महामहिम मोहम्मद हामिद अंसारी को कोट्टी की हार्दिक बधाई।

अतीत के झरोखे से ....

एसोसियेशन ने अपने क्रिया-कलापों में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए तृतीय वर्ष में प्रवेश किया। गत वर्ष के चीनी आक्रमण ने देश की अर्थ-व्यवस्था को बुरी तरह झकझोर दिया था। जन-जीवन, उद्योग-व्यापार, आवास-प्रवास एवं यातायात की स्थिति सोचनीय थी। व्यवसायी समाज में उत्साह की कमी थी। चारो ओर निराशा का वातावरण था। लोग व्यापार-प्रसार के प्रति उदासीन थे। ऐसे समय में हमें एक झटका और लगा कि हमारे भूतपूर्व सभापति एवम् संस्थापक पूनम चन्दजी मोहता का दिनांक १२.०४.१९६३ को अचानक हृदयगति रुक जाने से देहावसान हो गया। एसोसियेशन की स्थापना द्वारा उन्होंने वस्त्र व्यवसायियों को संगठित करके एक ऐतिहासिक कार्य किया था। वस्त्र-व्यवसाय व एसोसियेशन के इतिहास में सदैव उनका नाम स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। वे बड़े ही प्रबुद्ध, कर्मठ व मृदुभाषी थे। उनके निधन से पूरा समाज व वस्त्र-व्यवसाय मर्माहत था। ऐसे व्यक्तित्व के अनायास चले जाने से हुई कमी की क्षति-पूर्ति संभव नहीं थी। मोहताजी की दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु एक शोक-सभा का आयोजन किया गया। परमपिता परमात्मा से उनकी आत्मा की चिर शांति के लिए प्रार्थना की गई एवम् शोक-संतप्त परिवार को धैर्य प्रदान करने की कामना की गई।

श्री कन्हैयालाल जी केजरीवाल एवम् श्री पुरुषोत्तमजी केजरीवाल ने क्रमश: उनके नैसर्गिक गुणों पर प्रकाश डाला। उनकी पुण्य स्मृति में उस दिन एसोसियेशन कार्यालय व बाजार बन्द कर दिया गया था।

एसोसियेशन के सदस्य व कलकत्ता के कर्मठ समाजसेवी श्री पन्नालालजी सरावगी का भी दिनांक ०६.०८.१९६३ को देहावसान हो गया था। उनके निधन से कलकत्ता वस्त्र व्यवसाय का एक प्रमुख व्यक्तित्व हमसे जुदा हो गया था। कार्यकारिणी समिति की एक बैठक दिवंगत आत्मा के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु बुलाई गई व ईश्वर से उनकी आत्मा की चिर-शान्ति प्रदान करने की प्रार्थना की गई।

उक्त परिस्थितियों के बावजूद एसोसियेशन के पदाधिकारियों व कर्मठ कार्यकर्ताओं ने अपने मार्गदर्शन द्वारा व्यवसाय जगत को एक दिशा देने का सफल प्रयास किया, जिससे प्रेरित होकर व्यवसायी वर्ग वर्ष के उत्तरार्द्ध में उत्साह से व्यापार करने लगे व परिस्थितियों में उल्लेखनीय सुधार प्रतीत होने लगा।

एसोसियेशन की गतिविधियों में उत्तरोत्तर विकास होता जा रहा था। तीन वर्षों के अल्पकाल में ही इसकी सदस्यता में आशातीत बृद्धि हुई थी। सदस्य संख्या २०१ तक पहुंच चुकी थी। वस्तुत: व्यापारी समुदाय की सेवा व उनकी परेशानियों का आपसी सहयोग द्वारा निराकरण करना ही इस संस्था का मुख्य उद्देश्य था। इस उद्देश्य की प्राप्ति में संस्था को काफी हद तक सफलता मिली थी। आलोच्य वर्ष में जो भी समस्यायें आई, उनका सर्वमान्य हल निकाल लिया गया। एसोसियेशन द्वारा प्रतिपादित नियमों एवं उप-नियमों के प्रति सदस्यों की अटूट आस्था थी। परिणमत: बाजार में सामंजस्य व शान्ति का वातावरण बना हुआ था। परम्परागत तनावपूर्ण माहौल की उत्पत्ति नहीं हुई।

HARI OM CLOTH AGENCY
SHREE SATI TEXTILE AGENCY
Textile Indenting and Commission Agent for :
Fancy & Exclusive Dress Materials : Chiffon, Crape, Georgette, Jequards, Cotton, Cambric, Embroideries, Brocade etc.
Executive Member : Calcutta Textile Agents Association • *Member :* Chamber of Textile Trade & Industry
34C, Park Lane, 2nd Floor, Kolkata - 700 016
Phone : (O) 91-33-2229 6461 (M) 94330 93809, 93304 93809
ANAND JHUNJHUNWALA, ASHISH JHUNJHUNWALA

१९६३ में वार्षिक साधारण अधिवेशन को छोड़कर २ असाधारण बैठकें भी बुलाई गई। जिसमें कलकत्ता तथा बाहर मुकाम के व्यापारियों को बेचे हुए माल के संबन्ध में निर्मित नियमों, पावरलूम एवं मिलमेड मालों के विषय में निर्मित नियमों में परिवर्तन एवम् संशोधन किये गये।

सन् १९६३ की कार्यकारिणी समिति

०१.	श्री रामनारायण भोजनगरवाला	-	सभापति
०२.	श्री पुरुषोतम केजरीवाल	-	उप-सभापति
०३.	श्री मालचन्द सारडा	-	उप-सभापति
०४.	श्री जीवन लाल भैया	-	मंत्री
०५.	श्री भैरोदान तापड़िया	-	संयुक्त मंत्री
०६.	श्री लक्ष्मी प्रसाद बजाज	-	कोषाध्यक्ष
०७.	श्री चम्पालाल शर्मा		कार्यकारिणी सदस्य
०८.	श्री बाल किसन मिश्र		,,
०९.	श्री उदयचंद धाड़ेवाल		,,
१०.	श्री सुन्दर लाल राठी		,,
११.	श्री हनुमान दास राठी		,,
१२.	श्री भूरामल मूंधड़ा		,,
१३.	श्री गोपाल दास मोहता		,,
१४.	श्री देव किसन मोहता		,,
१५.	श्री प्रेमराज मूंधड़ा		,,
१६.	श्री प्रयाग दास बागड़ी		,,
१७.	श्री श्रीकृष्ण दास बाहेती		,,
१८.	श्री कन्हैयालाल झंवर		,,
१९.	श्री जेठमल करनाणी		,,
२०.	श्री दीपनारायण मक्कड़		,,
२१.	श्री रणछोड़ दास व्यास		,,
२२.	श्री मंगलचन्द कोचर		,,
२३.	श्री छगनलाल कियाल		,,
२४.	श्री कन्हैयालाल बोथरा		,,
२५.	श्री दुलीचन्द चौपड़ा		,,
२६.	श्री कन्हैयालाल केजड़ीवाल		,,

क्रमश :

Sparsh-Fab SHIRTINGS HI-FASHION FABRICS

1) School Dress Fabrics
2) Shirting & Suiting pcs
3) Fancy Shirtings

SPARSH FAB TEXTILES PVT. LTD.
161, Dadiseth Agiary Lane, Mumbai - 400 002
PHONE : (022) 2206 2150, 3243 4394

AGENTS :
HIND TEXTILE MARKETING
2, RAJA WOODMUNT STREET, KOLKATA - 700 001
TELE : (033) 2210-1683, 32931613
TELEFAX : 033-22432717
E-mail : gautamjhunjhunwala@gmail.com

२७. श्री मथुरादास मालू ,,
२८. श्री छोटूलाल चांडक ,,
२९. श्री प्रयाग दास डागा ,,

१९६३ में कार्यकारिणी समिति की ३२ बैठकें हुई थी। जिसके समक्ष ८ अपीलें आई थी। इस वर्ष पंचायत समिति की ४३ बैठकें हुई थी, जिसके समक्ष ३५४ मामले आये थे व ६ मामलों को छोड़कर सभी का सर्वमान्य हल निकाल लिया गया था। सदस्यों की जानकारी हेतु इस वर्ष २२ सर्कुलर भी प्रसारित किये गये थे।

स्थापना काल से ही निरन्तर प्रयास व विकास के परिणामस्वरूप एसोसियेशन का क्षेत्र व्यापक बन रहा था। इस संस्था को अब केवल कलकत्ता की ही संस्था नहीं बल्कि अखिल भारतीय स्तर की संस्थाओं में भी मान्यता प्राप्त हो चुकी थी। डायरेक्टेरट ऑफ टेक्सटाईल से इसका पूर्ण सम्पर्क स्थापित हो चुका था। डायरेक्टेरेट से नियमित परिपत्र प्राप्त होते रहते थे। आवश्यक परिपत्रों को सदस्यों की जानकारी हेतु प्रसारित किया जाता था। वेस्ट बंगाल बिजनिश कन्वेन्सन से भी जो पत्रिकाएँ प्रकाशित होती थी वे भी एसोसियेशन को नियमित प्राप्त होती थी।

कलकत्ता, बाहर मुकाम में पावरलूम व मिलमेड मालों की बिक्री, डिलिवरी तथा पेमेन्ट से सम्बन्धित नियमों, उपनियमों को लागू करने में एसोसियेशन सक्रिय भूमिका निभा रही थी। इसके पालन में सभी सदस्यों का सहयोग मिल रहा था। सदस्यों द्वारा नियमों और उपनियमों का उल्लंघन करने पर उन्हें चेतावनी, अर्थदंड एवं सदस्यता से पृथक किया जा सकता था। भुगतान के नियम काफी कड़ाई से पालन किये जा रहे थे। तय समय में भुगतान नहीं देने पर ब्याज का भुगतान कड़ाई से करना पड़ता था।

एसोसियेशन में बाजार बन्द रखने हेतु विभिन्न अवसरों पर छुट्टियों की घोषणा का नियम भी लागू कर दिया था। इस प्रकार हर विषय में व हर क्षेत्र में एसोसियेशन की स्वीकार्यता व मान्यता बढ़ी थी। एसोसियेशन का वार्षिक लेखा-जोखा मेसर्स बी.के. सराफ एण्ड कम्पनी से अंकेक्षित करवाया जाता था।

❑❑❑

TRIBUNAL OF ARBITRATION

Arbitral Cases Mutually Settled

1. Case No. T-01/2012-13

M/s. Barrackpur Textile
Shanti Bazar, Chiria More, Barackpur
P.O.- Titagarh, Kolkata - 700 120

-Vs-

M/s. Shree Ram Textile
7, Noormal Lohia Lane
Kolkata - 700 007

JELBROW®
SHIRTING & DRESS MATERIALS
JALAN SYNTHETICS
ROHIT A.C. MARKET, SURAT
PH: (0261) 3016486, 3016435

PLAIN SHIRTINGS
RAYMON COTTON 36"
PICK N PICK 80 DOUBLE
40 SINGLE 65 DOUBLE
SUMMER COOL
SWISS COTTON
ROTO
RAYMON COTTON 44"

AGENTS :
HIND TEXTILE MARKETING
2, RAJA WOODMUNT STREET, KOLKATA - 700 001
TELE : (033) 2210-1683, 32931613
TELEFAX : 033-22432717
E-mail : gautamjhunjhunwala@gmail.com

WELCOME NEW MEMBERS

Mem. No.	Member's Name And Address	Phone No.	Contact Persons	Details of Business
3147	**MOHAN TEXFAB PVT. LTD.** 22, Jawaharlal Nehru Road, 1st Floor Kolkata – 700 087	93398 71982 (R) 93317 62285 (M) jhoomar.alok@gmail.com	Alok Binaykia Vijay Kumar Binaykia	Manufacturer Silk Saree, Salwar Suit Tunics
3148	**JAMINI INDUSTRIES PVT. LTD.** 73/75, Vithalwadi, Kalbadevi 2nd Floor, Mumbai – 400 002	98310 47174 (M) thejamini@gmail.com	Murari Lal Khaitan Gautam Khaitan	Manufacturer Cotton Saree, Dress Material
3149	**JHUNJHUNWALA CLOTH STORE PVT. LTD.** 30, Utkalmani Gopa Bandhu Sarani, 1st Floor, Kolkata – 700 007	2269-3376 (O) 98312 85305 (M)	Sushil Kumar Jhunjhunwala Sajan Jhunjhunwala	Wholesale Dealer Suiting, Shirting, Dhoti, Cotton Saree
3150	**GIRDHARILAL SUSHILKUMAR** 160, Jamunalal Bajaj Street, Punjabi Katra, Dudh Gali, Ground Floor, Kolkata - 700007	2272-9194 (O) 2665-2391 (R) 98308 49751 (M)	Deepak Kumar Jhawar Sushil Kumar Jhawar	Wholesale Dealer Cotton Cloth, Dress Material
3151	**PASHUPATI FASHIONS** 3, Sir Hari Ram Goenka Street, 1st Floor, Room No. 9, Kolkata - 700007	2274-1722/6357 (O) 2534-0536 (R) 98301 65630 (M) pashupatifashions@gmail.com	Manoj Kumar Agarwala Ankur Khemka	Manufacturer Readymade Garments, Salwar Suit
3152	**OPEEJAY ENTERPRISES** 19, Amartalla Street, Room No. 28/29 2nd Floor, Kolkata – 700 001	2235-3595 (O) 2543-6689 (R) 98302 60351 (M) opeejay@gmail.com	Rajesh Jain Lalit Jain	Wholesale Dealer Readymade Garments
3153	**RISHI CREATIONS** 214/216, Jamunalal Bajaj Street, Room No. 416, 418, 3rd Floor, Kolkata - 700 007	2272-9270 (O) 2320-3329 (R) 98310 26147 (M) rishiagarwal6@gmail.com	Rishi Agarwal Navin Kumar Parmanandkar	Wholesale Dealer Dhoti, Dress Material
3154	**SHREE VENKATESH LAXMI FABRICS** P-12, New Howrah Bridge Approach Road Baiju Chowk, Room No. 403 4th Floor, Kolkata – 700 001	6540-1315 (O) 93311 04488 (R) 98310 04481 (M) svlfabrics@gmail.com	Narayan Lohia Ajit Surana	Wholesale Dealer, Agent Shirting
3155	**ADITYA INTERNATIONAL** 8, Narayan Prasad Babu Lane, 2nd Floor, Kolkata – 700 007	2268-3815 (O) 2666-5361 (R) 93310 41109 (M) international.aditya @rediffmail.com	Navratan Goyal Mahesh Goyal	Wholesale Dealer Readymade Garments
3156	**BHAGYA SHREE TEXTILES** 22, New Sill Lane, Ground Floor Howrah – 711 101	93304 20570 (O) 98304 78819 (M) bhagyashree551@gmail.com	Sudhakar Joshi	Wholesale Dealer Cotton Cloth
3157	**BVM TRADING PRIVATE LIMITED** 4, Jagmohan Mullick Lane, 1st Floor Kolkata – 700 007	98311 60570 (M) alien.bvm@gmail.com	Pankaj Nahata Sanjeev Agarwal	Machine Importer
3158	**MAHALAKSHMI YARNS PVT. LTD.** 178, Mahatma Gandhi Road, 4th Floor Kolkata – 700 007	2268-1951/6185 (O) 2269-1132 (O) 2269-6562 (F) 2554-3424 (R) 98310 03000 (M) poddarayush@hotmail.com	Ashwini Kr. Poddar Ayush Poddar	Manufacturer, Wholesale Dealer, Agent Readymade Garments, Hosiery Goods, Yarn

Ruiatex
EXCLUSIVE SHIRTINGS
Specialist in Plain Shirtings
RUIA SILK & SYNTHETICS (P) LTD.
02, ANANTWADI, DADISETH AGIARY LANE, MUMBAI
PHONE : (022)2200 4439, (02522)325914, (022)32430181

AGENTS :
HIND TEXTILE MARKETING
2, RAJA WOODMUNT STREET, KOLKATA - 700 001
TELE : (033) 2210-1683, 32931613
TELEFAX : 033-22432717
E-mail : gautamjhunjhunwala@gmail.com

WELCOME NEW MEMBERS *(Contd.)*

Mem. No.	Member's Name And Address	Phone No.	Contact Persons	Details of Business
3159	**MAHESH KUMAR TODI** 23/C, Kalakar Street, 4th Floor, Kolkata – 700 007	2498-8896 (R) 98312 33508 (M)	Mahesh Kumar Todi	Agent
3160	**RITIKA FASHIONS** 21, Gour Laha Street, Opp. Jorabagan Shanni Mandir, 1st Floor, Kolkata – 700 006	3291-8735 (O) 2530-0706 (O) 93302 23723 (R) 98300 23723 (M) 93300 23723 (M) sundeepgattani@gmail.com	Sundeep Gattani Ram Gopal Gattani	Manufacturer, Wholesale Dealer, Suiting, Shirting, RMG, Importer, Bed sheet, Towel, Yarn
3161	**NICHIKETA GARMENTS COMPANY** DA-152, Salt Lake City, Sector – I Ground Floor, Kolkata – 700 064	2321-3110 (O) 2321-3109 (F) 90070 00600 (M) suni3109@dataone.in	Nikhil Bhartia	Manufacturer, Wholesale Dealer Readymade Garments, Exporter, Hosiery Goods, Yarn

Corrigendum

In the last Annual General Meeting held on 11th August, 2012 a printing mistake has been observed in the Auditors Report circulated to the Members together with the notice of AGM dated 18-7-2012. After verifying with the original report in the said meeting, it was found that the word "Deficit" in the item no (ii) of the Report should be read as "Surplus". The House decided to give a corrigendum in our bi-monthly Magazine this 1st Page of the AUDITORS Report for information of the members and in compliance the exact Xerox copy of the text is reproduced below :-

FORM NO. 10B
(See Rule 17B)

Audit Report under section 12A (b) of the income - tax Act, 1961 in the case of charitable or religious trusts or institutions

We have examined the Balance Sheet of **CHAMBER OF TEXTILE TRADE & INDUSTRY** as at **31st March, 2012** and the Income & Expenditure account for the year ended on that date which are in agreement with the books of account maintained by the said trust or institution.

We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of the audit. In our opinion, proper books of account have been kept by the above named turst / institution so far as appears from our examination of the books, and proper returns adequate for the purposes of audit have been received from branches not visited by us, subject to the comments given below :

In our opinion and to the best of our information, and according to information given to us, the said accounts give a true and fair view : -

(i) in the case of the Balance Sheet of the state of affairs of the above named turst/institution as at **31st March, 2012** and

(ii) in the case of the Income & Expenditure Account of the Surplus of its accounting year ending on **31st March, 2012.**

The prescribed particulars are annexed hereto

The Particulars in Part I of the Annexure have been verified by us with the books account and the informations given by the Trustees.

The Particulars in part II & III of the Annexure are furnished and certified by a Trustee and the same have been accepted by us as correct.

Courtesy : **Suresh Kumar Mittal & Co.**

KANTI CLOTH STORE

15, NOORMAL LOHIA LANE, KOLKATA - 700 007
PHONE : 2268-5893, 98311 20401

Dealers in : All types of Cotton Saree & Suit Pcs.

OUR COUNTRY'S ECONOMIC REPORT - HIGHLIGHTS

- The overall growth of GDP at factor cost at constant prices, as per Revised Estimates, is estimated at 6.5 per cent in 2011-12 as compared to the growth of 8.4 per cent during 2010-11. The growth in real GDP is placed at 5.3 per cent in the fourth quarter of 2011-12.
- the cumulative rainfall received for the country as a whole, during the monsoon season,2012 (June1-September 30), has been 22% below normal as of now.
- Food grains (rice and wheat) stocks held by FCI and State agencies were 71.12 million tonnes as on May 1,2012.
- Overall growth in the Index of Industrial Production (IIP) was 2.4 percent during May 2012 as compared to 6.2 per cent in May 2011. During April-May 2012-13, IIP growth was 0.8 percent as compared to 5.7 percent in 2011-12.
- Eight core Infrastucture industries registered growth of 3.8 percent in May 2012 as compared to growth of 5.8 percent in May 2011. During April-May 2012-13, these sectors grew by 3.4 percent as compared to 5.0 percent during April-May 2011-12.
- Exports, in US dollar terms declined by 4.2 per cent and imports declined by 7.4 percent, during may 2012 over May 2011.
- Foreign Currency Assets stood at US$ 257.4 billion in end June 2012 as compared to US$ 283.7 billion in end June 2011.
- Rupee depreciated against US dollar, Pound sterling, Japanese Yen and Euro in the month of June 2012 over May 2012.
- Year-on-year inflation in terms of Wholesale Price Index was 7.25 per cent for the month of June 2012 as compared to 9.51 per cent in the corresponding month last year.
- Gross tax revenue at Rs. 84,429 crore during April-May 2012 registered a growth of 38 percent compared to the corresponding period in the previous year.
- Tax revenue (net to Centre) at Rs. 40,925 crore during April-May 2012 registered a growth of 77 per cent.
- As a proportion of budget estimate, fiscal deficit during April-May 2012 was 28 per cent and revenue deficit was 34 per cent.

❑❑❑

SUBHASH KEDIA
KEDIA TRADING PVT. LTD.
42, SHIVTOLLA STREET, LAXMI BHAWAN, 3rd FLOOR, KOLKATA - 700 007
PHONE : 2274-9838, 3068-1290, 98310 21084, E-mail : ktplkol@bsnl.in
MANUFACTURER OF EXCLUSIVE SAREES

Capital Gain Exemption in a Glance

Capital gain on sale of certain assets is exempted on purchase/construction of specified assets under section 54, 54B, 541C, 541 subject to few conditions. These exemption has been tabulated on the basis of following points.

1. Who can claim exemption
2. Eligible assets sold
3. Assets to be acquired for exemption
4. Time limit for acquiring the new assets
5. Exemption Amount
6. Whether "Capital gain deposit account scheme" applicable

So it is easy to understand these exemption at a glance. Further these exemption are in depended to each other and person can claim combination of two, if he is eligible otherwise.

Exemption		u/s 54	u/s 54B	u/s 54EC	u/s 54E
a.	Who can claim Exemption	Individual / HUF	Individual / HUF added by Finance Bill 2012 wef fy 12-13	Any person	Individual / HUF
b.	Eligible assets sold	A residential house property (minimum holding period 3 year)	Agriculture land which has been used by assessee himself or by his parents for agriculture purposes during last 2 yrs of transfer	Any long-term capital assets (minimum holding period 3 years)	Any long term asset (other than a residential house property) provided on the date of transfer the taxpayer does not own more than one residential house property from the assessment year 2001-02 (except the new house)
c.	Assets to be Acquired for exemption	Residental house property	Another agriculture land (urban or rural)	Bond of NHAI or REC	Residential house property
d.	Time limit for acquiring the new assets	Purchase: 1 year back or 2 years forward Construction : 2 years forward	2 years forward	6 months forward	Purchase 1 year back or 2 years forward Construction : 3 years forward

MADAN MOHAN TEKRIWALA
MMT FRESH FASHION PVT. LTD.
Madan Mohan : 97487 80100
Sunil Kumar : 97487 80101
Suneet Kumar : 97487 80102
All kinds of INDUSTRIAL, BED SHEETS & GARMENTS FABRICS
203/1, Mahatma Gandhi Road (1st Floor), Kolkata-700 007
Phone : 2268 5346, 3292 3532, 3253 1236 ; E-mail : mmtfashion@gmail.com

e.	Exemption Amount	Investment in the new assets or capital gain, which over is lower	Investment in the agriculture land or Capital gain, which ever is lower	Investment in the new assets or Capital gain, which ever is lower (Max Rs. 50 lacs in Fin. Year)	Investment in the new assets / Net Sale consideration X capital gain
f.	Whether "Capital gain deposit account scheme" applicable	Yes	Yes	not applicable	Yes

Kindly note that rural agricultural land is fully exempted from tax as it is not covered under capital assets definition under Income Tax Act. Agricultural land in the 54B above is other than rural agricultural land.

Rural Agricultural land means as agricultural land in India :

1. If situated in any area which is comprised within the jurisdiction of a municipality (whether known as municipality, municipal corporation, notified area committee, town committee or by any other name) and its population should be less than 10,000 as per the last published census, or
2. If situated outside the limits of municipality, etc., it should be situated certain kilometers away from the local limits of any municipality, etc. as may be specified by the Central Government in the Official Gazette. The Central Government can notify urban land upto maximum 8 kms from the limits of municipality, etc.

Courtesy : ***CA* Abhinav Bhuwania**

RBI directs banks to allot unique customers IDs

The Reserve Bank of India has asked banks to initiate steps to allot Unique Customer Identification Code (UCIC) to all their customers.

To begin with the UCIC should be allotted to new customers. Further, this code should be allotted to existing customers by banks by end-May 2013.

The UCIC will help banks to identify customers, track the facilities utilised, monitor financial transactions in a holistic manner and enable better risk-profiling of customers, the central bank said.

The RBI said the increasing complexity and volume of financial transactions require that customers do not have multiple identities within a bank, across the banking system and across the financial system.

For this, it is important to pool information pertaining to different account holders in a centralised database.

The RBI had issued directives to implement UCIC in the monetary policy statement 2012-13, which was announced on April 17. However, many banks are yet to implement these measures.. ❑

COTTON PRINTED SAREES
M. JAGDISH®
PHONE : 2271-1523
2268-7842
Specialist : Saree & Dhoti
Manoharlal Jagdishkumar
203/1, MAHATMA GANDHI ROAD, GROUND FLOOR, KOLKATA - 700 007

SEMINAR/INTERACTIVE MEETING ON PROFESSION TAX

Recently on 27th June, 2012 the Chamber arranged a Seminar/Interactive Meeting at its Conference Hall, which was attended by a team 6 Officers of Professional Tax Department, headed by Shri R. K. Sen, Jt. Commissioner. This interactive meeting was inevitable following a controversy in regard to the interpretation of schedule No. 9A (i) and 11 affecting quantum of tax payable by a proprietorship firm. The quantum of Tax under schedule No. 9A (i) is calculated based on the Annual Turnover of the firm, when under schedule No. 11, the calculation is based on the strength of the employees. The departmental Inspectors while visiting the market are claiming higher rate of tax and also interest on arrear tax, irrespective of the fact that the firm is enrolled under schedule No. 11 and/or not even coming under the purview of schedule 9A (i) as textile being a non-taxable item under West Bengal Sale Tax Act, CST or VAT. This arbitrary approach of the Inspector was strongly disputed by the Chamber and consequently the above Seminar was arranged.

During the Meeting, among other procedural aspects, the Chamber strongly urged clarification/interpretation on the following points:-

(a) Textile is an exempted item under WB Sale Tax Act or CST or VAT. In the situation why Textile Sector in large will be covered under schedule No. 9 and why not under schedule No. 11.?

(b) The Department has registered some of the Firms under schedule 9A (i) as well as schedule 11. In the same kind of Trade, how different firm is covered under different schedule?

(c) During recent visit of the department Inspectors in the market, they are claiming tax based on Annual Turnover even though rate of Tax has been clearly mentioned in the Certificate.

In course of clarification the departmental officers stated that under WB State Tax on Profession, Traders, Callings & Employment Act, every person engaged in any profession is liable to pay tax as per schedule prescribed by the Commercial Tax Department and amended from time to time.

Regarding definition of schedule no. 9 and 11, they also stated that recently the department has replaced word 'registered' with the word 'liable', thus all the traders are coming under the purview of CST, WBST or VAT. However, the rate of Tax may vary and it may even 0% but the liability cannot be ignored. Based on this, the dealers who are dealing with even non-taxable items are liable to pay the Profession Tax. Generally traders having annual turnover less than Rs. 5 lacs are coming under schedule 11 and rest are under schedule 9.

The Chamber having not satisfied with this definition claimed a written confirmation of the above statement, which the department agreed to. Pending confirmation, the Chamber requested to accept payment of tax as per interpretation of the individual tax-payers based of the language of the law.

Textile Printing Materials

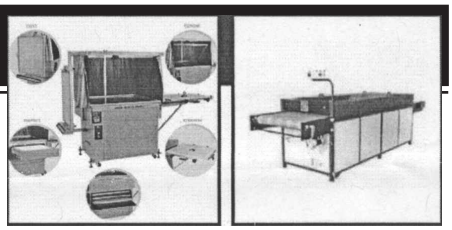

NILESH ENTERPRISE
207-F, RABINDRA SARANI,1st FLOOR, LALKOTHI, KOLKATA-700 007
PHONE : 033-2274 0735/0535 • Website : nileshenterprise.com
E-mail : nileshn@vsnl.net, Sushil@nileshenterprise.com

During discussions, the Chamber also suggested that the persons those who are running business for more than 2 years or so and could not take registration earlier due to lack awareness, should be provided with Registration now with least harassment and with payment of tax for the current year and one year arrear without any interest. The officers noted the points and will discuss with their Ministry for approval.

The salient points of the Act has already been circulated to our Members vide Circular No. C-3/2012-13/04 dated 9th July, 2012. The Chamber has also circulated the schedule of Tax vide its Circular No. C-3/2012-13/02 dated 30.04.2012. However, for ready reference the schedule of tax is reproduced bellow, which are normally applicable to our Members :

Schedule of rates of tax on Professions, Traders, Calling and Employments

Serial No.		Class of Persons	Rate of Tax	Schedule No. & Sub No.
1	**Salary and wage earners.** Such persons whose monthly salaries or wages are-			
	(i)	Rs. 3,000 or less	Nil	1(i)
	(ii)	Rs. 3,001 or more, but less than Rs.5,001	Nil	1(ii)
	(iii)	Rs. 5,001 or more, but less than Rs.6,001	Rs. 40 per month	1(iii)
	(iv)	Rs. 6,001 or more, but less than Rs.7,001	Rs. 45 per month	1(iv)
	(v)	Rs. 7,001 or more, but less than Rs.8,001	Rs. 50 per month	1(v)
	(vi)	Rs. 8,001 or more, but less than Rs.9,001	Rs. 90 per month	1(vi)
	(vii)	Rs. 9,001 or more, but less than Rs.15,001	Rs. 110 per month	1(vii)
	(viii)	Rs. 15,001 or more, but less than Rs.25,001	Rs. 130 per month	1(viii)
	(ix)	Rs. 25,001 or more, but less than Rs.40,001	Rs. 150 per month	1(ix)
	(x)	Rs. 40,001 and above	Rs. 200 per month	1(x)
2	**Directors** (other than those nominated by Government) of companies registered under the Companies Act, 1956 (1 of 1956)			
	Where the annual gross income of the persons mentioned above is-			
	(i)	Rs. 18,000 or less	Nil	2(a)/(b)/(bb)/(c)(I)
	(ii)	Rs. 18,001 or more, but less than Rs. 24,001	Rs. 216 per annum	2(a)/(b)/(bb)/(c)(ii)
	(iii)	Rs. 24,001 or more, but less than Rs. 36,001	Rs. 300 per annum	2(a)/(b)/(bb)/(c)(iii)
	(iv)	Rs. 36,001 or more, but less than Rs. 60,001	Rs. 360 per annum	2(a)/(b)/(bb)/(c)(iv)
	(v)	Rs. 60,001 or more, but less than Rs. 72,001	Rs. 480 per annum	2(a)/(b)/(bb)/(c)(v)

R. S. N. Tex (P) Ltd.
197, M.G. ROAD, 2ND FLOOR, KOLKATA-700 007
PHONE : 033-2218 1861, 3294 9167, 3299 0637
E-mail : surendra_pitty@yahoo.co.in
PITTY™
SAREES
PAKKA RANG UCHIT DAAM

Serial No.		Class of Persons	Rate of Tax	Schedule No. & Sub No.
	(vi)	Rs. 72,001 or more, but less than Rs. 84,001	Rs. 540 per annum	2(a)/(b)/(bb)/(c)(vi)
	(vii)	Rs. 84,001 or more, but less than Rs. 96,001	Rs. 600 per annum	2(a)/(b)/(bb)/(c)(vii)
	(viii)	Rs. 96,001 or more, but less than Rs. 1,08,001	Rs. 1080 per annum	2(a)/(b)/(bb)/(c)(viii)
	(ix)	Rs. 1,08,001 or more, but less than Rs. 1,80,001	Rs. 1320 per annum	2(a)/(b)/(bb)/(c)(ix)
	(x)	Rs. 180001 or more, but less than Rs. 300001	Rs. 1560 per annum	2(a)/(b)/(bb)/(c)(x)
	(xi)	Rs. 300001 or more, but less than Rs. 480001	Rs. 1800 per annum	2(a)/(b)/(bb)/(c)(xi)
	(xii)	Rs. 480001 and above	Rs. 2400 per annum	2(a)/(b)/(bb)/(c)(xi)
3		**Estate agents or promoters or brokers or commission agents or del credere agents or mercantile agents**	Rs. 2,500 per annum	5(a)
4		**Dealers liable to pay tax under the West Bengal Sales Tax Act,1994** (West Bengal Act XLIX of 1994) or the **Central Sales Tax Act, 1956** (74 of 1956) or the **West Bengal Value Added Tax Act,2003** (West Ben. Act XXVII of 2003) :-		
	(i)	such dealers whose annual gross turnover of sale is :		
	(A)	less than Rs.2,00,000	Rs.150 per annum	9(a) (i) (A)
	(B)	Rs.2,00,000 or more, but not exceeding Rs.7.5 lakh	Rs.300 per annum	9(a) (i) (B)
	(C)	above Rs.7.5 lakh but not exceeding Rs.25 lakh	Rs.600 per annum	9(a) (i) (C)
	(D)	above Rs.25 lakhs but not exceeding Rs.50 lakhs	Rs.1200 per annum	9(a) (i) (D)
	(E)	above Rs. 50 lakhs but not exceeding Rs.2 crore	Rs.2000 per annum	9(a) (i) (E)
	(F)	above 2 crore	Rs.2500 per annum	9(a) (i) (F)
5		**Occupiers of factories as defined in the Factories Act,** 1948 (63 of 1948), who are not dealer covered by entry 9. Such occupiers of factories-		
	(i)	Where not more than fifteen workers are working	Rs. 600 per annum.	10 (i)
	(ii)	Where more than fifteen workers are working	Rs.1500 per annum	10 (ii)
6		**Employers or shop-keepers** as defined in the West Bengal Shops and Establishments Act, 1963 (West Ben. Act XIII of 1963), whether or not their establishments or shops are situated within an area to which the aforesaid Act applies, and who are not covered by entry 9. Such employers or shop-keepers-		

BHASKAR DENIM

S.R. COTTS SERVICES PVT. LTD.

178, MAHATMA GANDHI ROAD, 2ND FLOOR, KOLKATA-700 007

DENIMS (4ozs to 14.50ozs) / BOTTOM WEIGHTS - GREY, RFD, DYEDS, PRINTS, CORDS CANVAS (4ozes to 32ozs) / FLANNEL - GREY / DYEDS & PRINTS

Contact

AMIT DHELIA - 98300 26504

Ph : 033-2268-1365 / 2270 8257 / 2218 7528; E-mail : aamitdhelia@gmail.com

Serial No.		Class of Persons	Rate of Tax	Schedule No. & Sub No.
	(i)	Where there are no employees	Rs. 50 per annum.	11 (i)
	(ii)	Where there are less than five employees	Rs. 100 per annum	11 (ii)
	(iii)	where there are five or more employees but less than eleven employees	Rs. 250 per annum	11 (iii)
	(iv)	where there are eleven or more employees but less than twenty employees	Rs. 350 per annum	11 (iv)
	(v)	where there are twenty or more employees	Rs. 600 per annum	11 (v)
7		**Companies registered under the Companies Act**, 1956 (1 of 1956) and engaged in any profession, trade or calling	Rs.2500 per annum	20
8		**Partnership firms** when engaged in any profession, Trade or calling Such firms whose gross annual turnover is-		
	(i)	Rs. 25 lakhs or less	Rs.600 per annum	21(i)
	(ii)	above Rs.25 lakhs but less than Rs.1 crore	Rs.1200 per annum	21(ii)
	(iii)	Rs.1 crore or above	Rs.2500 per annum	21 (iii)
9		Persons, other than those mentioned in any preceding entries, who are engaged in any profession, trade, calling or employment, and in respect of whom a notification is issued under section 3 of this Act	Rate of tax not exceeding Rs.2,500 per annum shall be as may be fixed by notification	23

Note :-

(a) Notwithstanding anything contained in Schedule, where a person is covered by more than one entry in this Schedule, the ***highest rate of tax*** specified under any of those entries shall be applicable in his case.

(b) The Annual Turnover shall include the aggregate of the amounts of parts thereof receivable by way of remuneration, fee reward or any consideration for services rendered and sales made during the previous year.

❑❑❑

S. R. TEXTILE & YARN SALES PVT. LTD.

158, JAMUNALAL BAJAJ STREET, KESHORAM KATRA,
2ND FLOOR, KOLKATA - 700 007 (W.B.)

Wholesale Dealers in :
- DENIM FABRIC (5 Oz – 15.5 Oz)
- NON-DENIM (COTTON, POLY-VISCOSE, POLY-COTTON)
  - BOTTOM-WEIGHT (GREY, RFD, DYED, PRINT, STRUCTURES)
  - SHIRTING-WEIGHT (GREY, RFD, DYED, PIGMENT BLOCH, PRINT)

Ph. : 2272-7351/52
Fax : 2273-6401
Mob : 98300 13702
98307 58333
E-mail : skrk@cal3.vsnl.net.in

e-FILING MUST FOR ₹10-LAKH-PLUS

For individuals or a Hindu Undivided Family earning over ₹10 lakh, e-filing is mandatory

The Central Board of Direct Taxes (CBDT) has made e-filing mandatory for all assessees whose total annual income exceeds ₹10 lakh for the 2011-12 financial year. However, digital signature will not be mandatory for the tax payers.

E-filing is an easy, fast and secure mode of filing tax return. The electronically filed returns are processed at the Central Processing Centre. The processing of online tax returns and the possibility of getting refunds, if any, is faster. The income tax department (www.incometaxindia.gov.in) also has a few value added services, including tracking of refunds and tax credit status (Form 26AS) along with e-mail and SMS alerts for status updates.

Those who file return without a digital signature need to generate the ITR-V acknowledgement form and take a printout of it. You are required to mail the ITR-V form, duly signed, to the Income Tax Department - Central Processing Center (CPC), Post Bag No-1, Electronic City Post Office, Bengaluru-560100, Karnataka. You can send it either by ordinary post or speed post within 120 days of transmitting the data electronically. This completes the filing process for non-digitally signed returns. ❑

Forthcoming Exhibitions

sati shree sarees
9B MADAN CHATTERJEE LANE, NEAR RAM MANDIR, KOLKATA 700 007
TF : (033) 2268 5788, 2269 4451, E-mail : satitex@cal3.vsnl.net.in

satitex sarees

sati kreation suits
180B CHITTRANJAN AVENUE, NEAR RAM MANDIR, KOLKATA 700 007
TF : (033) 2257 3818, 4070 5011, E-mail : satikreation@gmail.com

sarees suits

Problems & Prospects of Indian Textile Industry

India is the 2nd largest producer in Cotton and one of the leading countries in textile and clothing industry in this globe. In this industry 35 million directly and 45 million indirectly most of them women and rural people are involved. This industry has immense potentials in domestic as well as international market.

India's textile industry contributes 14% of total industrial products and it has made 17% contribution of export earnings, it has strong and diverse raw materials base. Growth rate of domestic textile industry currently is 6-8% which may have touched double digits if India had removed some constraints discussed in following paras.

Despite having such potentials India is far behind from China in growing cotton, China is threefold higher than India in installation of shuttleless looms which prevents India from producing more cloth of exportable and affordable quality. India's unorganised textile industry consisting of handloom, powerloom, Khadi and hosiery units contributes 60% of total textile products. Inspite of having such big role this unorganised sector faces multifacet problems such as low level of technology, rising prices of raw materials, competition from big firms and undeveloped infrastructure.

India's textile industry as a whole is facing some crucial problems including infrastructural bottlenecks, unfavourable labour law, high indirect taxes, high rate of power charges and rate of interest, poor quality of trained and skilled manpower.

India's textile industry seeks directly government support to get rid of these problems. This support is now getting much felt in ongoing situation while India's production in manufacturing sector has drastically fallen.

Though it gets delayed, Goverment of India recently has agreed that ther is a need to support the textile industry. The much needed debt restructuring package came to save this industry reeling under heavy debt and liquidity crunch.

Government should come forward with such more financial incentive for textile industry to tackle up-coming challenges.

❑❑❑

भावी पीढ़ी को संस्कारी बनाए रखना विकास की सशक्त शृंखला है।

***

SETHIA INTERNATIONAL

11, POLLOCK STREET, KOLKATA - 700 001

Tel. : 2235-1470 / 5158, FAX : 2221-5706, Mobile : 98300 43788

Del Creders Agents of RELIANCE INDUSTRIES LIMITED

For Polyester Staple Fibre, Polyester Texturised Yarn, RECRON Fibrefill and PET Resin

For West Bengal, Assam North East Region and Franchisee of "RECRON" Fibrefill Pillows.

Impact of late filing of Income tax return

Impact of late filing of Income tax return and issue related to due date (The List is not exhaustive).

- **Interest u/s 234A :** If there is tax due after deducting advance tax, TDS and self assessment tax then interest will be applicable @1% per month and part thereof up to the date of filing of the return besides interest applicable u/s 234B or 234C. Means this interest is applicable only if there is any tax payable in your return. (INTEREST calculator 234BC online is available here)
- **Loss of Interest on refund :** You may loose interest on refund u/s 244A as delay in filing is attributable to assessee for the period by which you have filed late return.
- **Audit Report :** Person who are liable to get their accounts audited should get the audit report on or before the due date of filing return i.e 30.09.2012.Audit repot is only to be prepared and not to be filed any where. In simple word or boldly we can say that if audit report has been signed before 30.09.2011 that is enough,you can file return late and report particulars will be filled when ever you filed your income tax return.This is as income tax circular no 5/2007 point no 6 (read full circular).
- **Revised return :** Late /belated return can not be revised. This is major draw back, if you failed to file return in time then you can revise your income tax return. Though you may apply revision u/s154 which is a lengthy process.
- **Some of deduction under sub-section 80 are not available for late return.**
- Due date of income tax return is related to TDS deposite and disallowance u/s 40a(ia).
- Due date of Income Tax return is related to tax saving u/s 54,54B,54F and some other issues in capital gain saving account deposit scheme.
- **Not able to carry forward the losses under various heads :** you are not able to carry forward following type of losses if filed return after due date
  - Speculation loss
  - business loss excluding loss due to unabsorbed depreciation and capital exp on scientific research
  - short term capital loss
  - long term capital loss
  - loss due to owning and maint. of horse races

However there is **no impact** on following type of losses even if return is furnished after the due date

- loss from house property
- business loss on account of unabsorbed depreciation and capital expenditure on scientific research.

SHANTI TRADERS
S. K. YARNS (P) LTD.
SALONA COTSPIN LTD.
PREETI COTSPIN (P) LTD.
(Manufacturers of Cotton Hosiery Yarn, Polyester Hosiery Yarn)

188, Jamunalal Bajaj Street, Kolkata - 700 007
Phone : 2272-0255/0238/0285, Fax : 2268-2102
Mobile : 98300 32266

Authorised Agent of :
RELIANCE INDUSTRIES LTD.
BRANCH : COIMBATORE / TIRUPUR

(though delay can be condoned as per circular 8/2001 DT 16.5.2001 on fulfilling of certain condition) so if you fall under the ambit of the above points then you should furnish your return up to 31st July or 30th September as the case may be without any penalty.

Person who can afford to file late return

If you have

- already deposited due tax or due taxes has been deducted by your employer and nothing is due or
- you are not claiming a major amount as refund or
- you have no losses to be carried forward

then you can fill return up to the end of the assessment year i.e. 31st March without any penalty.

Person who should file return on time.

If you have

- balance tax to be deposited or short fall of tax or
- huge amount of refund due to you or
- you have losses to be carried forwarded as explained above

then rush to the department so that return can be filed on time.

Courtesy : ***C.A.*** **Shiv Kumar Bhuwania**

CIRCULAR

Government of India, Ministry of Textiles

Continuation of Restructured Technology Upgradation Fund Scheme (R-TUFS) in the year 2012-13

In pursuance of the decision taken in the meeting of Inter-Ministeral Steering Committee (IMSC) under R-TUFS held on 18.05.2012, it is informed that the R-TUFS will be continued in the year 2012-13, with the conditions laid down by the Department of Expenditure OM No. 1(3)/PF.II/2011 dated April 23,2012. Accordingly, the Office of Textile Commissioner would continue to issue Unique Identity Numbers (UIDs) in respect of new sanctions i.e., sanctions issued by lending agencies on or after 01.04.2012 under the Restructured TUFS in 2012-13 to the extent of unutilized amount of the subsidy cap of Rs. 1972 crore/ full tenure subsidy of Rs. 7052 crore and the sectoral caps there under whichever is reached earlier. The lending agencies would be allowed to furnish online applications with immediate effect but UID numbers would be issud only after 16.07.2012 after assessing the unutilized subsidy cap and the sectoral caps there under on 'first come first served basis' to the extent of availability as mentioned above. It is clarified that mere submission of online application on the website (www.txcindia.gov.in) of Office of the Textile Commissioner does not entitle the Lending agencies/Investor to any right/ claim of subsidy under the Restructured TUFS continued during 2012-13. The entrepreneurs are, therefore, advised to refer the availability of sectoral caps on the official website of Textile Commissioner. ❑

Geeta SAREES

SHARDA TEXTILES
TULSI PRASAD HARISH KUMAR

Manufacturers of Cotton, Synthetics & Fancy Embroidery Sarees

147, Cotton Street (Rampuria Katra), 2nd, 3rd & 4th Floor, Kolkata - 700 007
Phone : (S) 2268 1294 / 3731 / 7731 (R) 2334 2342, Fax : 033-2268 5018
E-mail : geetacal@vsnl.net. ● Website : www.geetasarees.com

Don't forget your wealth tax return

If you own certain assets worth more than 30 lakh, you are liable to pay wealth tax and file your return by July 31.

The din generated by income tax returns tends to push the other taxes into the background. The wealth tax is the neglected child of the direct taxes family. However,remember that ignoring wealth tax can lead to serious problems for a taxpayer, with the penalty ranging from 100% to 500% of the unpaid tax.In extreme cases of willful default, a taxpayer may be punished with imprisonment ranging from six months to seven years.

Wealth tax raked in only 787 crore for the exchequer in 2011-12, which was a piffling 0.16% of the total direct tax kitty of 4,93,912 crore. The securities transaction tax brings in seven times as much revenue as the wealth tax.

This laxity on the part of the government has encouraged taxpayers to ignore their wealth tax liability. According to the Wealth Report 2012 of the Boston Consulting Group, India's rich are becoming richer. Nearly 28,000 Indian households crossed the threshold to become dollar millionaires (financial investments of over 5.5 crore) in 2011. Though financial assets do not invite wealth tax, real estate and gold,two favourite investment options of the super rich, are included. However, this is not reflected in the wealth tax collection, which has grown at a tardy pace, to say the least (see chart). However, this could change soon. A committee headed by former CBDT chairman, MC Joshi, has sought stricter punishment for tax evasion. The panel wants the minimum imprisonment for income tax and wealth tax evasion to be three years. Most investors in real estate have no idea about the tax implication of buying a second property. A second house won't attract wealth tax only if it is rented out for at least 300 days in a year. It can be a double whammy for the owner if the house is lying vacant, for he will not only have to pay tax on the notional rental income, but the value of the house will be added to his net taxable wealth. This is why savy investors prefer to put money in commercial real estate, which does not attract wealth tax.

An increased focus on wealth tax compliance can bring in significant revenue for the exchequer. The best part is that there cannot be any political opposition to such a move because the law already exists.

Tax experts also say that the current limit of 30 lakh is not in sync with reality. A small flat or plot of land in a metro will easily land even a middle-class family in the wealth tax net.

However, there is good news in store. The original Direct Taxes Code had proposed to raise the threshold of assets for wealth tax to 50 crore and reduce the tax to 0.25%.It had also sought to bring financial assets under the tax ambit. The revised DTC has not specified the limit, but has hinted that financial assets will not be included and that the threshold needs to be raised. Till that happens, make sure you pay your wealth tax and file the return to avoid a missive from the taxman.

Mala SAREES

Shree Balaji (Mala) Textiles Pvt. Ltd.

180, Mahatma Gandhi Road, 2nd Floor, Kolkata - 700 007
Phone : 033-3240 9958, 2270 8197 / 98
Resi. : 2337 3750, Mobile : 98300 45198
E-mail : binod_shreebalajitextiles@yahoo.co.in

Wealth tax primer

WHAT IS TAXABLE

More than one house, if it is unoccupied; ornaments; luxury cars, watches, yachts and aircraft; over 50,000 in cash.

HOW MUCH IS THE TAX

1% of the value of the assets exceeding 30 lakh.

WHAT IS EXEMPT

Any one residential property. Commercial property. Financial assets. Any outstanding loan taken to buy the asset.

FILING DEADLINE AND FORM

Wealth tax return has to be filed by 31 July. You have to use the four-page Form BA for filing the return.

WHAT IS THE PENALTY

1% interest for every month of delay. Penalty for evasion is 100-500% of the evaded amount. In extreme cases, even jail.

Wealth tax collection has risen very slowly

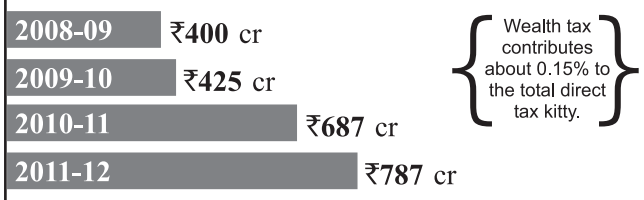

Courtesy :

***C.A.* Abhinav Bhuwania**

यश के लिए कार्य न करें। आत्मधर्म समझकर कार्य करें। यश पीछे दौड़ता आयेगा।

***

विद्या एक ऐसा अक्षय कोष है जिसे पाने वाला तो मालामाल होता ही है देने वाला भी कभी दरिद्र नहीं होता।

Shree Maloo Textiles

।। श्री ।।
Radhika
SAREES

Manufacturer of :
Cotton Printed Sarees

203/1, MAHATMA GANDHI ROAD, PARAKH KOTHI,
3rd FLOOR, KOLKATA - 700 007
PH. : 91-33-2268 8485, 2449 5617, 09831097977
E-mail : lakshman.maloo@gmail.com

Radhika

Industrial Pollution Due to Small Textile Printing And Dyeing Units At Jodhpur, Pali and Balotra in Rajasthan

Western Rajasthan lies in the well known Thar desert and is a water scarce area. Due to inadequate availability of raw materials and transport facilities, industrial development in the area is far behind the average national rate. However, dyeing and printing of textile being a traditional industry of Rajasthan and due to the heavy demand in the country and outside of cloth printed in Rajasthan and liberal policies of Rajasthan Governmen to encourage industrial growth with a view to provide employment to the people of this part of the State, a good number of textile industries have come up in the area. As textile processing requires good amount of water, these industies are invariably situated near rive banks where transportation facilities also exist. As a result, in Pali, Jodhpur and Balotra towns, clusters of manual processing, dyeing and printing industries have come up. Waste water discharge from these textile units has caused degradation of water quality in the area. Local people are facing problem in obtaining water for drinking and irrigation since ground water is also significantly polluted in the area. The problem has attracted the attention of media and also of the Central and State Governments.

The present study was undertaken by the Central Board in 1987 to evaluate the extent of problem in the area and to find out the factors responsible for the creation of the problem and its continuance. The study has also looked into the possible ways how the problem can be tackled.

It is expected that the report will help the Rajasthan State authorities in formulating remedial measures. The report may also prove useful to various other agencies which may have to deal similar problems of surface and ground water pollution. ❑

जब हमारे लिए एक द्वार बंद होता है तो दूसरा अवश्य खुल जाता है। यह हम पर निर्भर करता है कि हम अपना ध्यान उस दरवाजे पर दें जो बंद हो चुका है अथवा खुले दरवाजे से आगे की संभावनाओं की तलाश करें।

***

जब हम कुछ करने का पक्का इरादा करते है और हमारा संपूर्ण अस्तित्व भी उसका समर्थन करता है, तो सृष्टि की सारी ताकतें उसे दिलाने में मदद के लिए एकजुट हो जाती है।

***

हम प्रकृति और उसकी हर चीज का हिस्सा है, इसलिए हमारे अंदर और बाहर हर समय बदलाव आते रहते है। प्रकृति का यही नियम है।

Skiper® | Arvind ENRICHING LIFESTYLES | S.Kumars® | Siyaram's® FABRIC TO FASHION PREMIUM SUITINGS & SHIRTINGS

Ph. : (BSNL) 2210 9190
(RIL.) 3293 2154

SKIPPER SYNTHETICS PVT. LTD.

Suitings, Shirtings, School Dress & 100% Cotton Fabrics

19, SYNAGOGUE STREET, BRABOURNE ROAD, CITY CENTRE
3RD FLOOR, SUITE NO. 309, KOLKATA - 700 001

सर्वाधिक लाभकारी फल – केला

केला हर मौसम में आसानी से प्राप्त होने वाला फल है एवं पक्के व कच्चे दोनों प्रकार के केलों का उपयोग भरपूर मात्रा में किया जाता है। कच्चे केलों की सब्जी खाई जाती है। पक्का केला खाने के साथ-साथ रायता, पकौड़े बनाने में भी उपयोग होता है। केले में ग्लुकोज नामक तत्व होता है। जो उसमें मिठास पैदा करता है। ग्लुकोज कुदरती शर्करा है। जो मिठास के साथ-साथ स्नायुओं के लिये पोषण और शक्ति प्रदान करने में भी सहायक है।

- केले में विटामिन ए, बी, सी, डी, ई, जी, एवं एच काफी मात्रा में होते है। इसमें कार्बोहाईड्रेट की मात्रा 20 से 22 प्रतिशत तक होती है। जबकि अन्य फलो में यह मात्रा काफी कम पाई जाती है।

  इसमें केल्शियम, फोस्फरस, मैग्निशियम, तांबा, लौह आदि खनिज लवण काफी मात्रा में पाये जाते है।
- केला औषधि रूप में भी प्रयोग में लाया जाता है। इसका तना, पत्ते, फूल औषधि में प्रयोग होते है एवम् क्षय रोग को दूर करने में सहायक होते है।
- भोजन करने के बाद दो तीन पके केलो का कई महीनों तक नियमित सेवन करने से शरीर पुष्ट बनता है। केला मॉसवर्द्धक है। दो केले खाकर उपर से एक गिलास दूध पिये, ऐसा नियमित करने से शरीर मोटा होता है। यह वीर्य बढ़ाने में भी सहायक है।
- जीभ पर छाले होने पर एक केला, गाय के दूध का दही के साथ 6-7 दिन नियमित सेवन करें। केले के गुदे को नीबू के रस में पीसकर दाद, खुजली होने पर रोग युक्त स्थान पर लगाने से विशेष लाभ होता है।
- किसी भी प्रकार की चोट या रगड़ लगने पर केले के छिलके को बांधने पर सूजन नहीं बढ़ती। गेंहूं का आटा एवं पका हुआ केला पानी में गौंदकर गरम करके लेप की तरह लगाने से लाभ होता है।
- बार-बार पेशाब आने की शिकायत को दूर करने के लिये एक केला खाकर आधी कटोरी ऑवले के रस में शक्कर मिलाकर पीये। पेशाब बन्द होने पर चार चम्मच केले के तने के रस में दो चम्मच घी मिलाकर पीने से लाभ होता है।
- बच्चों के लिये केला एक पौष्ठिक आहार है केले में रक्त वृद्धि वाले तत्व लौह, तांबा और मैग्निशियम होते है अत: यह रक्त को लाल एवं साफ रखने में सहायक होता है। दूध के साथ केले का सेवन सम्पूर्ण आहार माना जाता है।
- पके केले को छाया में सूखाकर, कूटकर कपड़े से छान लें। इसे दूध में मिलाकर छोटे बच्चों को देने से भूख शान्त होती है व शारिरिक विकास तेजी से होता है। ❑

सावधानियां

* पाचन शक्ति खराब हो तो केले का सेवन नहीं करना चाहिए।
* सर्दी झुकाम में केला नहीं खायें।
* केला खाकर तुरन्त पानी पीना हानिकारक है।
* एक समय में दो तीन से अधिक केले नहीं खाने चाहिए।
* रात को केला खाने से बचना चाहिये क्योंकि केले से गैस उत्पन्न होती है।
* केला खाने से अजीर्ण हो जाये तो ईलायची का सेवन करना चाहिये।
* पित्त विकार होने पर केले को दूध में मिलाकर लें।

Elpvan SYNTEX

UPVAN SYNTEX

131, Cotton Street, GANDHI KATRA, Ground Floor,
Shop # 22, 23 & GA-1, Kolkata - 700 007 (India)
PHONE : 91-33-3062 0152, Telefax : 91-33-3062 0153